प्राचार्य

विक्रमादित्य सिंह सनातन धर्म कालेज,
कानपुर-208002
Grade "A" Accredited By NAAC
दूरभाष: कार्या0:0512-2562613
Website :www.vssdcollege.ac.in
e-mail:prin_vssd@rediffmail.com
info@vssdcollege.ac.in

संस्कृत–विभाग
स्नातक–स्तर (बी0ए0)

1. Programme Outcome

'राष्ट्रीय–शिक्षा नीति'–2020 के अनुसार बी.ए.–संस्कृत (प्रथम सेमेस्टर से षष्ठ–सेमेस्टर) के पाठ्यक्रम का परिणाम–

1 विद्यार्थियों को लेखन, वाचन और अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।
2 सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत प्रवीणता को प्राप्त करके विद्यार्थियों में प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
3 विद्यार्थियों में आत्मविश्वास उत्पन्न होगा और नेतृत्व क्षमता का विकास होगा।
4 विद्यार्थी नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से सबल होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक स्तर पर भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।

5 Programme Specific Outcome

बी.ए. संस्कृत (प्रथम सेमेस्टर से षष्ठ–सेमेस्टर)

'राष्ट्रीय–शिक्षा नीति'–2020 में स्नातक–स्तर पर संस्कृत–विभाग में निम्न पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं–

1. संस्कृत पद्य–साहित्य एवं व्याकरण
2. संस्कृत गद्य–साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग
3. संस्कृत–नाटक एवं व्याकरण
4. काव्यशास्त्र एवं संस्कृत–लेखन–कौशल
5. वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन
6. व्याकरण एवं भाषाविज्ञान
7. आधुनिक संस्कृत–साहित्य
8. योग एवं प्राकृतिक–चिकित्सा (वैकल्पिक)
9. आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य–विज्ञान (वैकल्पिक)
10. भारतीय वास्तुशास्त्र (वैकल्पिक)
11. ज्योतिषशास्त्र के मूल–सिद्धान्त (वैकल्पिक)
12. नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान (वैकल्पिक)

पारम्परिक ज्ञान–विज्ञान और राष्ट्र–गौरव से सम्बन्धित (भारतीय दर्शन, भूगोल, खगोल, गणित, ज्योतिष, वास्तु, योग, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र और संगीत) विषय के सामान्य परिचय के द्वारा विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास होगा। विद्यार्थी काव्य के विभिन्न भेदों और पद्यकाव्य की गीतात्मकता से परिचित होंगे। उनमें रस, छन्द और अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी। सुभाषित और सूक्तियों के

Principal
V.S.S.D. College
KANPUR

विक्रमाजीत सिंह सनातन धर्म का
कानपुर-20
Grade "A" Accredited By NAA
दूरभाष: कार्या0:0512-256261
Website :www.vssdcollege.ac.in
e-mail:prin_vssd@rediffmail.com
info@vssdcollege.ac.in

माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिकता का उन्नयन होगा। वर्णों के शुद्ध-उच्चारण-कौशल और अनुवाद-कौशल का विकास होगा।

विद्यार्थी संगणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त करके इसका उपयोग करने में सक्षम होंगे। इसके साथ ही E-Content और डिजिटल लाइब्रेरी का उपयोग करने में समर्थ होंगे।

नाट्य-साहित्य का अध्ययन करके विद्यार्थियों में अभिनय कला का विकास होगा। पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों में निबन्ध-लेखन एवं अनुच्छेद-लेखन की क्षमता का विकास होगा। वेद, उपनिषद और श्रीमद्भगवद्गीता के ज्ञान द्वारा विश्वकल्याण की भावना के विकास के साथ आध्यात्मिक विकास भी हो सकेगा। विद्यार्थी भाषा और भाषाविज्ञान से परिचित हो सकेंगे। आधुनिक संस्कृत-साहित्य के अध्ययन द्वारा विद्यार्थी आधुनिक कवियों की रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

भारतीय योगशास्त्र के प्राचीन ज्ञान और उसकी वैज्ञानिकता से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। प्राचीन चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ-समाज का निर्माण करने में समर्थ होंगे। मानव-स्वास्थ्य और रोग-निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलसिद्धान्तों से परिचित हो सकेंगे। वास्तुशास्त्र के महत्त्व और उसकी उपयोगिता से परिचित होंगे। ज्योतिषशास्त्र के अध्ययन द्वारा पंचांग-अवलोकन तथा निर्माण-कौशल का विकास होगा। विद्यार्थी कर्मकाण्ड के प्रामाणिक और शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी व्यावहारिक उपयोगिता को जानने योग्य बन सकेंगे।

3. **Course Outcome-**

स्नातक-संस्कृत के उपर्युक्त पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थी 'भारतीय प्रशासनिक सेवा,' 'प्रान्तीय प्रशासनिक सेवा' हेतु मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थी 'जूनियर शिक्षक', 'टी.जी.टी.', 'पी.जी.टी.' तथा 'उच्च-शिक्षा' से सम्बन्धित संस्थानों में शिक्षण-कार्य हेतु होने वाली प्रतियोगिता में प्रतिभागिता कर सकते हैं। वे ज्योतिष, वास्तु, योग, आयुर्वेद और कर्मकाण्डीय अनुष्ठानों द्वारा जीविकोपार्जन भी कर सकते हैं।

Principal
V.S.S.D. College
KANPUR